मध्य प्रदेश शासन
पर्यटन विभाग,
मंत्रालय
वल्लभ भवन भोपाल

क्रमांक एफ 10-12/2021/तैंतीस भोपाल, दिनांक 28/06/2021

परिपत्र

पर्यटन संवर्धन अभिसरण परियोजना

(Tourism Promotion Convergence Project)

J.D. (Admin) मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पत्येक जिले में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (District Archaeology, Tourism & Culture Council DATCC) का गठन किया गया है।

उद्देश्य – किसी आकर्षक पर्यटन स्थल को विकसित करने के लिये वहाँ आवश्यक अधोसंरचना होना अतिआवश्यक है, जिसके दृष्टिगत DATCC के तहत एक परियोजना जिसे "पर्यटन संवर्धन अभिसरण परियोजना (Tourism Promotion Convergence Project)" का नाम दिया गया है, प्रारम्भ की जा रही है।

परियोजना का मूल उद्देश्य जिलों में स्थित पर्यटन स्थलों में मूलभूत अधोसंरचना विकसित करना एवं स्थल को लोकप्रिय बनाना, ताकि पर्यटकों का आवागमन बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके और ऐसे पर्यटन स्थल का संरक्षण और रख-रखाव हो सके। इस परियोजना का उद्देश्य प्रदेश के जिलों में स्थित स्थानीय पर्यटन सम्पत्तियों का विकास, पुरातात्विक धरोहर संपत्तियों का संरक्षण, स्थानीय परम्पराओं, खान-पान एवं जिले की कलां, संस्कृति एवं शिल्प को प्रोत्साहित कर प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में अग्रिणी राज्य के रूप में स्थापित करना है।

Shri Sumeet 1.7.21

म.प्र. पर्यटन बोर्ड
आवक क्रमांक MD-1175
दिनांक 01/07/21

निरन्तर .....

पर्यटन संवर्धन अभिसरण परियोजना (Tourism Promotion Convergence Project) अधोसंरचना विकास - अधोसंरचना विकास के लिये जिलों में उपलब्ध विभिन्न मदों/कार्यक्रमों की राशि जैसे जिला खनिज निधि, मनरेगा, SBM (स्वच्छ भारत मिशन) / SRLM/NRLM सांसद निधि, विधायक निधि, विभिन्न वित्त आयोग के अन्तर्गत उपलब्ध राशि, सी.एस.आर. फण्ड, आदिवासी उपयोजनाऐं, स्थानीय निकायों में उपलब्ध राशि आदि का उपयोग कर स्थल के लिये आवश्यक अधोसंरचनाऐं जैसे नागरिक सुविधायें (स्वच्छ शौचालय, पेयजल), व्यवस्थित, दुकाने, विश्राम स्थल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु स्टेज, ओपन एअर थियेटर (मुक्ताकाशी मंच), पंहुच मार्ग, सौन्दर्यीकरण, लैण्ड स्केपिंग आदि का विकास किया जायेगा।

<u>जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (DATCC) अन्तर्गत गतिविधियाँ -</u> चयनित स्थलों पर पर्यटकों की रूचि विकसित करने के लिये वहाँ स्थानीय स्तर पर नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थानीय खान-पान को प्रोत्साहित करने हेतु खान-पान उत्सव, Trecking, Cycling, Rock climbing, Bird Watching, Boating, Camping, Night Trecking, Star Gazing, Heritage Trail जैसी गतिविधियाँ DATCC के अन्तर्गत उपलब्ध राशि से कराई जा सकेंगी। इसके अतिरिक्त स्थल के प्रचार-प्रसार हेतु ब्रोशर, पेम्फलेट, साइनज़ेस, QR Code साइनज़ेस, Digital Material आदि से संबंधित कार्य भी किया जा सकेगा।

अभिसरण परियोजना (Convergence Project) के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार होगें:-

1. परियोजना की कुल अवधि 03 वर्ष होगी। इस दौरान पर्यटन स्थल पर अधोसंरचना विकास एवं अन्य गतिविधियाँ सम्पादित की जायेंगी।

2. पर्यटन स्थल पर किस प्रकार के पर्यटन की संभावनाऐं है, इसका आंकलन आवश्यकतानुसार जिला कलेक्टर द्वारा जिला स्तर पर एक टीम गठित कर करेगें। यह टीम पर्यटन गतिविधि के विकास के लिये आवश्यक अधोसंरचना का भी आंकलन करेगी और अपनी अनुशंसा सहित प्रकरण प्रस्तुत करेगी। इस समिति में DATCC के जिला प्रभारी अनिवार्य रूप से सदस्य होंगे। यदि किसी गतिविधि विशेष को प्रोत्साहित किया जाना है, तो उस गतिविधि से संबंधित अधोसंरचना विकसित की जानी होगी ऐसे मे गतिविधि विशेष से जुड़े विशेषज्ञों को समिति में शामिल किया जा सकेगा।

निरन्तर .....

3. जिला कलेक्टर आवश्यक अधोसंरचना का विस्तृत प्राक्कंलन तैयार करायेगें और इसमें लगने वाली राशि की उपलब्धता अभिसरण द्वारा किस मद से कराई जायेगी, इसका उल्लेख परियोजना प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से करेगें।

4. पर्यटन स्थल को लोकप्रिय बनाने के लिये किस प्रकार की गतिविधि आयोजित की जायेगी उन गतिविधियों का एक विस्तृत वार्षिक कैलेण्डर बनाया जायेगा और कैलेण्डर अनुसार गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। स्थल के प्रचार-प्रसार हेतु डीएटीसीसी की राशि का उपयोग किया जा सकेगा।

5. ऐसे स्थल जहाँ अधोसंरचना यह परियोजना प्रारम्भ करने के पूर्व वर्षों में विकसित की गई है, किन्तु लोकप्रियता में कमी है, को भी परियोजना में सम्मिलित किया जा सकेगा।

6. DATCC अन्तर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों हेतु तीन वर्ष में परियोजना प्रस्ताव अनुसार अथवा प्रतिवर्ष रूपये 10.00 लाख के मान से अधिकतम रूपये 30.00 लाख आवंटित किये जायेगें।

7. प्रथम वर्ष में अधोसंरचना विकास कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में यदि गतिविधियाँ संभव नही है, तो शेष 2 वर्षों में 10-10 लाख के मान से राशि उपलब्ध कराई जायेगी।

8. यदि गतिविधियों की लागत ज्यादा है, तो शेष राशि की व्यवस्था जिला कलेक्टर अपने स्तर से जनभागीदारी द्वारा करेंगे।

9. परियोजना अन्तर्गत एक वर्ष में अधिकतम 10 जिलों का चयन किया जायेगा।

10. जिला कलेक्टर परियोजना के अपेक्षित परिणामों पर अपना अभिमत प्रस्तुत करेंगे, जिसमें पर्यटन पर प्रभाव, रोजगार सृजन, स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि जैसे बिन्दुओं का समावेश होगा।

11. यदि गतिविधियों को आउटसोर्स किया जाता है, तो विहित प्रक्रिया अपनाकर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी, और इसका सम्पूर्ण दायित्व जिला प्रशासन का ही होगा।

12. परियोजना के विभिन्न अवयवों को क्रियान्वित करने हेतु तय की गई एजेन्सी, अनुमानित लागत एवं समय सीमा के साथ-साथ भविष्य में ऐसी परिसम्पत्तियों के संचालन एवं संधारण हेतु कार्य योजना का समावेश परियोजना में करना आवश्यक होगा।

निरन्तर .....

<u>परियोजना की स्वीकृति -</u> राज्य स्तर पर परियोजना प्रस्तावों को पर्यटन बोर्ड द्वारा आंकलन कर प्राविण्यता के आधार पर परियोजना की स्वीकृति की अनुशंसा की जायेगी। परियोजना स्वीकृति का प्रमुख आधार पर्यटन स्थल पर आने वाले पर्यटकों की संख्या, जिला स्तर पर अभिसरण द्वारा संसाधनों की उपलब्धता एवं परियोजना की संवहनीयता होगा।

<u>समय सीमा –</u> अभिसरण परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने के 30 दिवस के भीतर प्रस्ताव पर विचार हेतु पर्यटन बोर्ड में बैठक आहूत की जायेगी। आवश्यकतानुसार जिले से किसी अधिकारी को भी बैठक में आमंत्रित किया जा सकेगा, जो अपना प्रस्तुतीकरण इस विषय में गठित समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा और आवश्यक्तानुसार समिति के सुझावों पर कार्यवाही करेगा।

<u>मूल्यांकन –</u> परियोजना प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु गठित समिति ही परियोजना के प्रगति के मूल्यांकन का कार्य सम्पादित करेगी।

<u>परियोजना का कार्य क्षेत्र -</u> यह योजना मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में प्रभावी होगी।

<u>परियोजना प्रभावों का आंकलन एवं दायित्व निर्धारण –</u> जिला कलेक्टर परियोजना के अन्त तक (तीन वर्ष में) परियोजना के कारण पर्यटन पर पड़ने वाले प्रभाव का एक विवरण प्रस्तुत करेगें और इसे योजनाबद्ध तरीके से अभिलिखित करेंगे तथा दायित्वों को स्पष्ट परिभाषित करेगें ताकि परियोजना की निरन्तरता सुनिश्चित की जा सके।

24/6/21

(शिव शेखर शुक्ला)
प्रमुख सचिव
म.प्र. शासन, पर्यटन विभाग

पृ. क्रमांक एफ 10-12/2021/तैंतीस
भोपाल, दिनांक 24/06/2021

प्रतिलिपि :-

1. समस्त संभागायुक्त मध्य प्रदेश।
2. आयुक्त, पुरातत्व संचालनालय, भोपाल।
3. समस्त जिला कलेक्टर / अध्यक्ष, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डीएटीसीसी) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
4. प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड, भोपाल।
5. प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, भोपाल।
6. क्षेत्रीय प्रबंधक, मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, पचमढ़ी, खजुराहो।

24/6/21

प्रमुख सचिव
म.प्र. शासन, पर्यटन विभाग

MADHYA PRADESH TOURISM BOARD

DATC- PROJECT PROPOSAL FORMAT

The heart of Incredible India

1. Name of the Project and proof of concept **(परियोजना एवं अवधारणा) -**
2. Scope and Deliverables **(विस्तार एवं प्रदेय) -**
   - Targeted destinations **(लक्षित गन्तव्य) -** Mention the name of the targeted destinations for the project.
   - Geographical coverage **(भौगोलिक क्षेत्र) -** Location of the destination, mention nearby destinations.
   - Criteria for the selection **(चयन का आधार) -** Mention the reasons to choose the destinations (nearby attractions, landscaping historical importance, culture etc.)
   - Locations of the Project **(परियोजना का स्थान)**
   - Attractions of selected places **(चयनित स्थान का आकर्षण) -**
3. Project Background and Objectives **(परियोजना पृष्ठ भूमि एवं लक्ष्य)**
4. Vision of the Project **(परियोजना का विजन) -**
5. List of the proposed activities/deliverables **(गतिविधियों की सूची/प्रदेय) -** Mention the Activity package for attracting tourists
6. Value addition to the destinations **(गन्तव्य का मूल्य सम्बर्धन) -** Mention the components that can add value to the selected destination.
7. Financial Outlay **(वित्तीय प्रावधान) -** Tentative, estimated outline of the expenditure required for the project. **संलग्न प्रपत्रों में अधोसंरचना विकास एवं** DATCC **से संबंधित गतिविधियों का विवरण दें. (परिशिष्ट) एवं 02 .**
8. Project Duration and schedule (Time, Cost and Content) **(परियोजना अवधि समय सारणी)**

9. Role of each stakeholder Details out the role of each stakeholder (convergence, private players, community participation) in convergence, projects execution etc.

   हितधारकों की भूमिका – प्रत्येक हितधारक (अभिसरण, निजी निवेशक (Private Players) **समुदाय की भागीदारी) आदि की भूमिका के सम्बंध में विस्तृत टीप।**

10. Project execution plan **(परियोजना क्रियान्वयन रीति) -**

11. **(**Four A's checklist**) चार** 'A' **जांच सूची -**

    - Accessibility **(पहुँच)**
    - Amenities **(सुविधाएँ)**
    - Attractions **(आकर्षण)**
    - Activities **(गतिविधियाँ)**

12. Communication and risk management plan - (Management of all the safety measures, and other facilities like tourist first aid centers in context of the activities conducted)

    संचार एवं जोखिम प्रबंधन (सुरक्षा प्रबंधन एवं सुविधाएं)

13. Demand assessment/Customer needs gap **(मांग आकलन) -**

14. Capacity Building **(क्षमता विकास) -**

15. Marketing Strategies **(विपणन रणनीति) -**

16. Action Plan KPIS **(परियोजना का प्रमाण) -**

The heart of Incredible India

Infrastructure Development (अधोसंरचना विकास) हेतु प्रारूप

क्र.	विवरण	अनुमानित लागत	योजना जिनके अन्तर्गत प्रस्तावित है	समयावधि
1	Public amenities जन सुविधा स्थल Public conveniences			
2	Approach road पंहुच मार्ग/ पैदल रास्ता/walking pathways			
3	Shops दुकानें/ counter काउंटर/ Hutnuts कुटिया			
4	Park पार्क			
5	Play Ground खेल मैदान			
6	Children Play ground with Swings /See-saw etc बच्चों का क्रीड़ा स्थल -सी-शा, झूले आदि			
7	Land scaping (भू-दृष्यिकरण)			
8	Open air theater /stage मुक्ताकाशी मंच			
9	Meeting hall मीटिंग/कॉन्फ्रेन्स हॉल (MICE)			
10	मार्ग चिन्ह/Wayfinding/Signage			
11	Street lights स्ट्रीट लाईट			
12	Parking पार्किंग स्थल			
13	Jetty घाट निर्माण			
14	Drinking water पीने का पानी			
15	Rest Rooms (Huts, Sheds)			
16	अन्य Other			

Activities proposed under DATCC अन्तर्गत प्रस्तावित गतिविधियॉ पत्रक प्रारूप

MADHYA PRADESH
The heart of Incredible India

प्रथम वर्ष -

क्र.	गतिविधि	समयावधि माह/समय	आयोजक	अनुमानित लागत	अभियुक्ति
1.	लोक महोत्सव				
2.	लोक नृत्य / नाट्य महोत्सव				
3.	खान-पान महोत्सव				
4.	कैम्पिंग				
5.	हेरीटेज वॉक				
6.	ट्रेंकिंग / जंगल वॉक				
7.	रॉक क्लाइंबिंग				
8.	पैराग्लाइडिंग				
9.	नौकायान				
10.	तारा दर्शन				
11.	पक्षी दर्शन				
12.	अन्य				

द्वित्तीय वर्ष -

क्र.	गतिविधि	समयावधि माह/समय	आयोजक	अनुमानित लागत	अभियुक्ति
1.	लोक महोत्सव				
2.	लोक नृत्य / नाट्य महोत्सव				
3.	खान-पान महोत्सव				
4.	कैम्पिंग				
5.	हेरीटेज वॉक				
6.	ट्रेंकिंग / जंगल वॉक				
7.	रॉक क्लाइंबिंग				
8.	पैराग्लाइडिंग				
9.	नौकायान				
10.	तारा दर्शन				
11.	पक्षी दर्शन				
12.	अन्य				

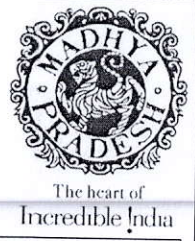

MADHYA PRADESH
The heart of Incredible India

<u>तृतीय वर्ष -</u>

क्र.	गतिविधि	समयावधि माह/समय	आयोजक	अनुमानित लागत	अभियुक्ति
1.	लोक महोत्सव				
2.	लोक नृत्य / नाट्य महोत्सव				
3.	खान-पान महोत्सव				
4.	कैम्पिंग				
5.	हेरीटेज वॉक				
6.	ट्रेंकिंग / जंगल वॉक				
7.	रॉक क्लाइंबिंग				
8.	पैराग्लाइडिंग				
9.	नौकायान				
10.	तारा दर्शन				
11.	पक्षी दर्शन				
12.	अन्य				